स्टार पॉइंट वाले पैराग्राफ प्रीललम्स एग्जाम के ललए अति महत्वपूर्ण हैं

Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

रुपए की विनिमय स्थिति

➢ हालिया संदर्भ :

- रुपया प्रत्येक दिन US डॉलर के मुकाबले कमजोर हो रहा है, लेकिन इसका विनिमय दर 'वास्तविक प्रभावी' शर्तों में अब तक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।
- RBI (Reserve Bank of India) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, रुपए का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (REER) सूचकांक रिकॉर्ड 108.14 पर पहुंच गया है, जो इस कैलेंडर वर्ष के दौरान 4.5% मजबूती को दर्शाया है।

➢ ***REER :

- REER न केवल US कैलेंडर के मुकाबले भारतीय रुपए के मूल्य को मापता है, बल्कि अन्य कई वैश्विक मुद्राओं के मूल्य को भी मापता है।
- यह ऐसे देशों के 40 मुद्राओं के टोकरी के मुकाबले भारतीय रुपए का मूल्य मापता है (रुपए के विनिमय दर का भारित औसत) जो भारत के वार्षिक आयात–निर्यात में लगभग 88% का योगदान देते हैं।
- REER उपरोक्त भारत के व्यापारिक देशों के साथ मुद्रास्फीति को भी समायोजित (Adjustment) करता है।

➢ REER सूचकांक :

- ** यह उपभोक्ता मूल्य या औद्योगिक उत्पादन के समान ही एक सूचकांक है, जिसका आधार वर्ष 2015–16 है।
- ** यह सूचकांक भारत के कुल विदेशी व्यापार में अलग-अलग देशों से प्राप्त मुद्रा के भार को दर्शाता है।

- सूचकांक के मुताबिक, जनवरी 2022 में यह 105.32 था, जो अप्रैल 2023 में गिरकर 99.03 हो गया लेकिन वर्तमान में यह 108.14 है।

➢ सूचकांक विचलन का कारण :

- विचलन (Deviation) का प्रमुख कारण रुपए का एक साथ कमजोर एवं मजबूत होना है, जो पिछले 3 महीने से US डॉलर से जुड़ा है।
- 'डॉलर इंडेक्स फ्यूचर्स' की एक टोकरी के तुलना में ग्रीन बैक के मूल्य में परिवर्तन देखा गया, जो 99.88 से बढ़कर 108.02 हो गया।

Note :– 'डॉलर इंडेक्स फ्यूचर्स' 6 मुद्राओं (यूरो, येन, पाउंड, स्वीडिश क्रोना, स्विस फ्रैंड एवं कनाडाई डॉलर) का एक समूह है, जो आधार वर्ष मार्च 1973 के सापेक्ष मूल्यों को मापता है।

- पिछले 3 महीने के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर हुआ है लेकिन इसी दौरान यह येन, ब्रिटिश पाउंड एवं यूरो के मुकाबले मजबूत हुआ है।

➢ अमेरिकी नीतियों का प्रभाव :

- ** वास्तव में रुपए के कमजोर होने का दूसरा पक्ष US डॉलर का मजबूत होना भी है।
- नवनिर्वाचित US राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सार्वजनिक घोषणाएं जिसमें सार्वभौमिक टैरिफ बढ़ोतरी (विशेषकर चीनी आयातित उत्पादों पर) घाटे से वित्त पोषित आयकर में कटौती एवं अवैध प्रवासियों के निर्वासन आदि शामिल है, के कारण डॉलर मजबूत होता जा रहा है।
- *** दरअसल उपरोक्त घोषणाएं अगर नीतिगत रूप से क्रियान्वित होंगी तो US में मुद्रास्फीति बढ़ेगी, जिसे नियंत्रित करने के लिए US फेडरल बैंक महंगी मौद्रिक नीति अपनाएगा, जिससे डॉलर अधिक महंगा (रुपया कमजोर) हो जाएगा।
- पिछले 3 माह के दौरान US में 10 साल वाले सरकारी बांड के Yielding Rate (ब्याज जैसा) 3.75% से बढ़कर कोई 4.59% हो गई है, जिससे दुनिया भर (भारत सहित) से पैसा USA में आ रहा है।
- *** USA में निवेश US डॉलर में ही किया जाएगा, जिसके कारण बाजार में डॉलर की मांग बढ़ रही है, फलत: डॉलर की कीमत बढ़ती जा रही है।

➢ *** RBI की समझ :

- REER का आधार वर्ष 2015-16 है और इसे '100' पर सेट किया गया था, ये मानते हुए इस वर्ष रुपया उचित रूप से मूल्यांकित था।
- REER का 100 से अधिक होना, रुपए के अधिमूल्यन को दर्शाता है। वास्तव में रुपया वर्तमान में उस सीमा तक अधिमूल्यित हो चुका है कि आयात सस्ते एवं निर्यात प्रतिस्पर्धी होते जा रहे हैं और यही कारण है कि RBI कम–से–कम डॉलर के मुकाबले रुपए को जानबूझकर कमजोर होने दे रहा है।

Note :– REER एवं विनिमय दर (Exchange Rate) में अंतर होता है।

➢ *** विनिमय दर :

- जिस दर पर कोई दो मुद्राएं परस्पर बदली जा सकती है, वह विनिमय दर कहलाती है।
- सामान्य शब्दों में जितने रुपए में 1 डॉलर या अन्य विदेशी मुद्रा प्राप्त होगी, वही रुपए का उस मुद्रा के सापेक्ष विनिमय दर कहलाएगा।
- दरअसल सामान्य बाजार की तरह ही मुद्रा बाजार भी होता है, जहां प्रत्येक देश की मुद्रा एक वस्तु की तरह मानी जाती है एवं एक दूसरे के सापेक्ष अपना मूल्य बदलती (स्थिर भी रह सकता है) रहती है।

➢ ** निर्धारक तत्व :

- सामान्य व्यापार की तरह ही, जिस मुद्रा की वैश्विक बाजार में मांग ज्यादा होती है, उसकी कीमत भी ज्यादा होती है।
- US डॉलर के भारतीय रुपए के सापेक्ष महंगा होने का सबसे बड़ा कारण यही है कि रुपए के मुकाबले US डॉलर की मांग काफी ज्यादा है।

➢ *** रुपए को कमजोर करने वाले कारक :

1. **व्यापार घाटा** :– भारत निर्यात की तुलना में आयात ज्यादा करता है, जिसके कारण भारत को 'व्यापार–घाटा' सहना पड़ता है।

- फलत: भारत को विदेशों को ज्यादा डॉलर (तुलनात्मक रूप से) चुकाना पड़ता है, जिससे डॉलर की मांग बढ़ती है और भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आती है।

2. **नई शुल्क नीति** :– बजट 2024–25 में सोना सहित कई धातुओं पर कस्टम ड्यूटी 15% से 6% कर दिया गया है, जिससे सोने की आयात में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है।
3. विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार से पैसे निकाले जाने से भी रुपया कमजोर होता है क्योंकि वे रुपए को डॉलर में बदलकर डॉलर की मांग बढ़ा देंगे।

Imp :– विदेशी पोर्टफोलियो निवेश को सामान्यत: किसी देश की अर्थव्यवस्था के लिए सर्वथा उपयुक्त नहीं माना जाता है क्योंकि यह त्वरित एवं अत्यल्प लाभ की स्थिति बनने पर ही पलायन कर जाते हैं और इसलिए इसे 'Hot Money' (त्वरित प्रवाह/पलायन करना) कहा जाता है।

4. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सस्ती मौद्रिक नीति अपनाना,
5. US Federal Bank द्वारा महंगी मौद्रिक नीति अपनाना,
6. भारत एवं विश्व में महंगाई,
7. क्रूड ऑयल की कीमतों में बदलाव,

➢ नकारात्मक प्रभाव :

- आयात महंगा होने से व्यापार घाटे की बढ़ाने की संभावना,
- RBI द्वारा संभावित रूप से महंगाई को नियंत्रित करने के लिए महंगी मौद्रिक नीति का अनुसरण,

- देश में महंगाई में वृद्धि संभव,
- विदेशी मुद्रा भंडार पर प्रभाव (व्यापार घाटे के कारण डॉलर भंडार में कमी)

➢ सकारात्मक प्रभाव :

- निर्यात सस्ता होने से निर्यात को प्रोत्साहन, जिससे व्यापार घाटा संतुलित होने की गुंजाइश
- आयात महंगा होने से आयात को निरुत्साहन,
- FPI, FDI (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) के भारत में प्रवाह होने की संभावना,

➢ उपाय :

- व्यापार घाटे को कम करना और संभव हो तो व्यापार अधिशेष की स्थिति पाना,
- RBI द्वारा महंगी मुद्रा नीति का पालन करना,
- रुपए के अंतरराष्ट्रीयकरण को बढ़ावा देना,
- विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता बनाए रखना,
- आयात–शुल्क बढ़ाकर आयात को हतोत्साहित करना एवं निर्यात को प्रोत्साहित करना
- रुपए की 'पूर्ण–परिवर्तनीयता' की स्थिति पर पूर्ण विश्लेषण कर सकारात्मक निर्णय लेना।

Result Mitra

MCQ–1 : कभी-कभी समाचार–पत्रों में दिखने वाला शब्द 'वास्तविक प्रभावी विनिमय दर' (REER) किसके सापेक्ष रुपए का मूल्यांकन करता है–

a) केवल US डॉलर
b) केवल US डॉलर, येन एवं पाउंड
c) 40 देशों की मुद्राओं की टोकरी,
d) दुनिया के सभी देशों की मुद्रा, जो रुपए से महंगी है।

Ans.– (c)

Mains : 1 डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर हो रहे रुपए के पीछे के महत्वपूर्ण कारकों का संक्षिप्त उल्लेख करें। क्या प्रत्येक स्थिति में इसके सिर्फ नकारात्मक प्रभाव ही हैं ?

हम आपको रिजल्ट देने आये हैं.
Result Mitra
1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹
कोर्स या Test Series के लिए
WhatssApp कीजिये
9235313184, 9235446806